DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR, BIHAR
BY. DR. A.K. Yadav
(Asst. Prof. G.T.T.)

B.A Part-II (HON'S) Paper-IV

Date-25-07-20

(Comparative Government and Politics)

Lecture No-23

आमण्ड द्वारा प्रतिपादित व्यवस्था सिद्धांत —
(Almond's view of political system)

राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा के ईस्टन द्वारा दिये गये मॉडल को निवेश-निर्गत मॉडल (Input-output model) कहा जाता है और आमण्ड एण्ड पावेल द्वारा दिये मॉडल को संरचनात्मक प्रकार्यात्मक मॉडल (Structural-functional model) कहा जाता है। आमण्ड एण्ड पावेल ने राजनीतिक व्यवस्था के बारे में मौलिक रूप से ईस्टन की ही व्यवस्था को स्वीकार किया है, किन्तु उन्होंने राजनीतिक व्यवस्था के संघटकों को लेकर ईस्टन से बहुत आगे बढ़ने की प्रयास किया है। वे राजनीतिक व्यवस्था के ढाँचे को इसके प्रकार्यात्मक पहलुओं से पृथक करके समझने की प्रयास करते हैं।

आमण्ड एण्ड पावेल ने राजनीतिक व्यवस्था की तीन विशेषताएँ बतलायी है—

1- विशदता
2- अन्योन्याश्रितता
3- सीमाएं

उसने सभी व्यवस्थाओं में पाँच समानताएँ दर्शायी है—

I- राजनीतिक व्यवस्था की सार्वभौमिकता
II- राजनीतिक संरचनाओं की सार्वभौमिकता
III- राजनीतिक प्रकार्यों की सार्वभौमिकता
IV- राजनीतिक संरचनाओं की बहुप्रकार्यता
V- राजनीतिक व्यवस्थाओं की सांस्कृतिक रूप से मिश्रित विशेषता

आमण्ड एण्ड पावेल आगे कहते है राजनीतिक व्यवस्था दो प्रकार्य है — I- निवेश (Inputs)
II- निर्गत (outputs)

By- DR. A. K. Yadav
(Asstt Prof. G.P.T.T)
Pol. SC

आमण्ड एण्ड पावेल कहते हैं निवेश (Inputs) चार प्रकार के हैं -

1- राजनीतिक समाजीकरण एवं भर्ती
2- हित अभिव्यक्तिकरण
3- हित समूहन
4- राजनीतिक संचार

निर्गत (outputs) तीन प्रकार के हैं -

1- नियम निर्माण
2- नियम प्रयोग
3- नियम निर्णय

आमण्ड एण्ड पावेल कहते हैं उनका राजनीतिक व्यवस्था सिद्धांत आधुनिक और विकासित राजनीतिक व्यवस्थाओं की तुलना करने के लिए है। राजनीतिक संस्कृति की धारणा के आधार पर आमण्ड ने राजनीतिक व्यवस्थाओं को चार भागों में विभाजित किया है -

1- आंग्ल अमेरिकन राजनीतिक व्यवस्था
2. यूरोपीय महाद्वीपीय राजनीतिक व्यवस्था
3. पूर्व औद्योगिक या आंशिक रूप से औद्योगिक राजनीतिक व्यवस्थाएं
4 - सर्वसत्ताधारी राजनीतिक व्यवस्थाएं

वस्तुत: आमण्ड एण्ड पावेल ने राजनीतिक व्यवस्था को निवेश निर्गत के रूप में देखने के बजाय संरचनाओं और प्रकार्यों के रूप में समझने का प्रयत्न किया है। यद्यपि राजनीतिक व्यवस्था उपागम में आमण्ड एण्ड पावेल ने संक्षिप्त रूप में ही अपना विचार प्रस्तुत किया है। आगे चलकर संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम में उन्होंने अपना विस्तृत विचार प्रस्तुत किया है। यद्यपि तुलनात्मक राजनीति को परम्परागता से निकालकर आधुनिक बनाने में राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा की आधारभूत देन मानी जाती है।

Date 25-07-20

By- DR. A. K. Yadav
(Asstt Prof. G.P.T.T)
Pol. SC

Scanned with CamScanner